ARYAVART SHODH VIKAS PATRIKA
RNI TITLED NO. UPBBIL04292
RNI REG. NO. UPBBIL/2014/66218 PP. NO.- 100-101
ISSN NO.-2347-2944
Vol.-10, No.-I, Issues-11 YEAR- June -2019

गया शहर के युवाओं पर इंटरनेट का प्रभाव (एक समाजशास्त्रीय अध्ययन)

विनोद कुमार

शोधअध्येता, समाजशास्त्र विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया (बिहार) भारत

Received- 26.05.2019, Revised- 30.05.2019, Accepted - 05.06.2019 E-mail: dr.ramnyadav@gmail.com

सारांश : *युग तेजी से बदल रहा है। उसके मापदंडों में जिस तेजी से परिवर्तन हो रहा है और जिस प्रभावी गति से विज्ञान की उपलब्धियां सामने आ रही है, उससे लगता है कि बहुत सी बातें, जो कल संभव नहीं थी, अब वह संभव हो जायेगी। वर्तमान समय में संचार साधनों में इंटरनेट का व्यापक प्रभाव देखने को मिलता है। आज का युवा वर्ग इंटरनेट से अपने को जोड़ रखा है, जिसके द्वारा विश्व में घटित होने वाली घटनाओं की शीघ्र ही जानकारी प्राप्त कर लेता है। युवा वर्ग इंटरनेट पर उपलब्ध वेब पेजों के बारे में नियमित रूप से सूचनाएँ समाचार पत्रों तथा पत्रिकाओं के माध्यम से प्राप्त कर रहे हैं। सूचना तकनीक के अभूतपूर्व प्रसार से सम्पूर्ण विश्व सूचनाओं को इंटरनेट पर संग्रहित कर लिया है। युवा वर्ग इंटरनेट के माध्यम से न केवल शैक्षिक ज्ञान प्राप्त कर रहे हैं, बल्कि मनोरंजन, विज्ञापन, विभिन्न प्रकार की सूचनाएँ चाहे वे सामाजिक जीवन से संबंधित हो, या धार्मिक जीवन से या सांस्कृतिक जीवन से या आर्थिक एवं राजनीतिक आदि जीवन से प्राप्त कर रहे हैं। इंटरनेट ने युवाओं की पूरी जीवन शैली को ही बदल दिया है। वर्तमान समय में हमारी स्वतंत्रता, बौद्धिकता और रचनात्मकता आदि भी इंटरनेट के द्वारा संचालित किया जा रहा है।*

कुंजी शब्द – मापदण्ड, इंटरनेट, अभूतपूर्व प्रसार, विज्ञापन, धार्मिक, संस्कृतिक, आर्थिक, राजनीतिक, बौद्धिकता

इंटरनेट शब्द अंग्रेजी के इंटरनेशनल तथा नेटवर्क से मिलकर बना है जिसका अर्थ विश्वव्यापी तंत्र होता है अर्थात् यह एक बेतार का तंत्र है। दूसरे शब्दों में नेटवर्क का व्यापक स्वरूप ही नेटवर्क है।

कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के एक शोध से संकेत मिले हैं कि इंटरनेट के इस्तेमाल से अधेड़ उम्र के लोगों और बुजुर्गों की दिमागी ताकत बढ़ाने में मदद मिल सकती है। शोधकर्ताओं के एक दल ने पाया कि इंटरनेट पर वेब सर्च करने से निर्णय करने की प्रक्रिया और जटिल तर्कों को नियंत्रित करने वाले दिमाग के हिस्से सक्रिय हो जाते हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि इससे आयु संबंधी उन मनोवैज्ञानिक बदलावों के मामले में भी मदद मिल सकती है जिससे दिमाग की कार्य करने की गति धीमी हो जाती है। लम्बे समय से यह माना जा रहा है कि वर्ग पहेली यानी क्रॉस वर्ड पजल जैसी दिमाग कसरतों से दिमाग सक्रिय बना रहता है। इससे बढ़ती उम्र के कारण दिमाग पर पड़ने वाले असर को कम करने में मदद मिल सकती है। इस अध्ययन से पता चलता है कि इंटरनेट दिमाग के लिए उपयुक्त है।

भारत में कितने इंटरनेट का उपयोग करने वालों की संख्या का पता लगाने के लिए शोध कंपनी ''tEldalYV'' द्वारा जून 2008 में सर्व किए गए। सर्वे के मुताबिक भारत में 4 करोड़ 90 लाख लोग इंटरनेट का इस्तेमाल कर रहे थे, जिनमें से लगभग 90 लाख लोग इंटरनेट का नियमित तौर पर इस्तेमाल करने वाले लोग हैं।

शोध का उद्देश्य : इंटरनेट के प्रभाव पर किए गए उपर्युक्त अध्ययनों से कोई स्पष्ट परिणाम प्राप्त नहीं हुए हैं। इसलिए गया शहर के युवाओं के जीवन को इंटरनेट किस प्रकार प्रभावित कर रहा है? यह जानने के लिए यह अध्ययन किया गया। प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य यह पता लगाना है कि इंटरनेट ने युवाओं के शिक्षा, मनोरंजन, विज्ञापन, सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक जीवन को किस प्रकार प्रभावित कर रहे हैं।

शोध प्रारूप : प्रस्तुत अध्ययन गया शहर के 400 युवाओं से प्रश्नावली विधि से प्राप्त किए गये प्रत्युत्तरों पर आधारित है। अध्ययन में 18 से 24 आयु वर्ग के युवाओं को सम्मिलित किया गया है।

उपलब्धियाँ : इंटरनेट ज्ञानवर्धन का एक उत्तम साधन है। इंटरनेट शिक्षा, मनोरंजन, विज्ञापन, सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक जीवन से संबंधित तथ्यों से अवगत कराता है। इंटरनेट के रूप में आज एक ऐसा शक्तिशाली माध्यम मानव के पास है, जिसने पूरे विश्व को अपनी गिरत में ले लिया है। इंटरनेट आम लोगों के जीवन में बदलाव की दिशा में एक प्रेरक की भूमिका अदा कर रहा है। प्रस्तुत अध्ययन में 69.75 प्रतिशत युवाओं ने कहा कि आज का युवा वर्ग नामांकन के लिए आवेदन करने, नामांकन करने, प्रवेश पत्र प्राप्त करने, परीक्षाफल प्राप्त करने के लिए इंटरनेट का उपयोग कर रहे हैं। 72.5 प्रतिशत युवाओं का कथन है कि वे अध्ययन सामग्री संकलन करने के लिए इंटरनेट का उपयोग कर रहे

अनुरूपी लेखक

ISSN NO.-2347-2944
Vol.-10, No.-I, Issues-11 YEAR- June -2019

हैं। 55.5 प्रतिशत युवाओं ने बताया कि उन्हें इंटरनेट से प्राप्त शैक्षिक सामग्री उपलब्ध नहीं हो पाता है। 81.5 प्रतिशत युवाओं ने स्पष्ट किया कि इंटरनेट पर प्रसारित शैक्षिक कार्यक्रमों से उन्हें सामान्य संतुष्टि मिला है। 91 प्रतिशत युवाओं ने कहा कि इंटरनेट से उनके ज्ञान में वृद्धि हुई है। 96 प्रतिशत युवाओं ने इंटरनेट को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपयोगी माना है। 57.75 प्रतिशत युवाओं ने कहा कि वे इंटरनेट से राजनीतिक सूचनाएं प्राप्त करते हैं। 44. 5 प्रतिशत युवाओं ने कहा कि इंटरनेट ने युवाओं में सहयोग की भावना का विकास किया है। युवाओं ने कहा कि उपर इंटरनेट का नकारात्मक प्रभाव भी पड़ा है। इसने अश्लीलता एवं छेड़छाड़, धोखेबाजी, अपराध, हैंकिंग करने, विध्वंसक आदि बातों को सिखाया है। 75.5 प्रतिशत युवाओं ने कहा है कि सामाजिक सम्पर्क बढ़ाने में ब्लॉग ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। 87.75 प्रतिशत युवाओं ने कहा कि उनपर ट्विटर का प्रभाव पड़ा है तथा ट्विटर ने उन्हें रचनात्मक कार्यों को करने की आदत डाली है। 94.50 प्रतिशत युवाओं ने कहा है कि इंटरनेट ने प्रत्येक व्यवसाय को एक नये रूप में परिवर्तित किया है। 77 प्रतिशत युवाओं ने कहा कि इंटरनेट पर मनोरंजन कार्यक्रम देखने के बाद दैनिक समस्याओं एवं तनावों से कुछ समय के लिए वे ताजगी महसूस करते हैं। 60.5 प्रतिशत उत्तरदाता इंटरनेट पर फिल्म देखते हैं। 99 प्रतिशत युवाओं ने कहा कि उनपर मनोरंजन के भाषा का प्रभाव पड़ा है। 53.5 प्रतिशत उत्तरदाताओं पर विज्ञापन के साक्ष्य अपील का प्रभाव पड़ा है। 95.75 प्रतिशत युवाओं ने कहा कि इंटरनेट पर परिवार नियोजन संबंधी विज्ञापन के माध्यम से जनसंख्या को नियंत्रित करने में सहायता मिली है। 52.50 प्रतिशत युवाओं ने कहा कि विभिन्न प्रकार के विज्ञापनों से उनमें भ्रम की स्थिति उत्पन्न नहीं होती है। 87.5 प्रतिशत युवाओं का मानना है कि इंटरनेट ने युवाओं को छुआछूत मिटाने का ज्ञान दिया है। 86 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि इंटरनेट ने तिलक–दहेज को बढ़ावा दिया है। 55.25 प्रतिशत उत्तरदाताअें ने कहा कि इंटरनेट के फलस्वरूप जातीयता का ह्रास हो रहा है। 68.25 प्रतिशत युवाओं ने कहा कि इंटरनेट के कारण धार्मिक अंधविश्वास में कमी आयी है। 76.75 प्रतिशत युवाओं ने कहा कि इंटरनेट के फलस्वरूप उनमें अन्तर्जातीय विवाह के प्रति झुकाव बढ़ा है। 84.25 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि इंटरनेट ने युवाओं को विधवाओं से विवाह करने के लिए प्रेरित नहीं किया है। 54 प्रतिशत युवाओं का कथन है कि फेसबुक पर अंकित तलाक की खबरों से वे प्रभावित होते हैं। 67.5 प्रतिशत युवाओं का मानना है कि रोजगार उन्मुखता पर इंटरनेट का प्रभाव पड़ा है। 73.75 प्रतिशत युवाओं के अनुसार इंटरनेट ने युवाओं में आत्मनिर्भरता का विकास किया है। 75.24 प्रतिशत युवाओं ने कहा कि वे इंटरनेट के माध्यम से राजनीति की जानकारी प्राप्त करते हैं। 94 प्रतिशत युवाओं ने ट्विटर तथा ब्लॉग के माध्यम से राजनीतिक क्रियाकलापों की जानकारी प्राप्त किया है। 91 प्रतिशत उत्तरदाता इंटरनेट पर मतदान करने की अपील से प्रभावित हुए हैं। 97 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि वे इंटरनेट पर राजनीतिक चर्चाओं एवं बहसों को सुनते हैं जिससे उनमें राजनीतिकरण हुआ है। वे चुनाव भी लड़ने लगे हैं तथा चुनावी सभाओं संगोष्ठियों में भाषण देते हैं। वे इंटरनेट से राजनीतिक अपराधों, राजनीतिक भ्रष्टाचार, सार्वजनिक जीवन में भ्रष्टाचार आदि से भी परिचित हुए हैं तथा इनका विरोध कर रहे हैं। इंटरनेट ने युवाओं को चिकित्सा के क्षेत्र में नवीन सुविधायें प्राप्त की है। व्यवसायिक क्षेत्र में इंटरनेट के माध्यम से वस्तुओं की खरीद बिक्री करने लगे हैं। 60 प्रतिशत युवाओं ने कहा कि इंटरनेट के माध्यम से उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई है।

निष्कर्ष : उपर्युक्त अध्ययन के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि जहाँ एक ओर इंटरनेट ने युवाओं के सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक क्षेत्र में सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न किया है तो दूसरी ओर इसके नकारात्मक प्रभाव भी कम नहीं है।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. प्रो. भगवानदेव पांडेय एवं योगेश कुमार पांडेयः कम्प्यूटर और मीडिया, सत्यम् पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
2. श्याम माथुरः वेब पत्रकारिता मानव संसाधन विकास मंत्रालय, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर
3. डॉ. शंकर सिंहः सूचना संचार प्रौद्योगिकीः इंटरनेट तथा सूचना समाज, इ एसएस इ एस, नयी दिल्ली
4. डॉ. सुधीर सोनी : इलेक्ट्रोनिक संचार माध्यम, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।

*****